भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3507
जिसका उत्तर मंगलवार 11 अगस्त, 2015 को दिया जाना है

भारी उद्योगों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

3507. श्री बी० सेनगुट्टुवन:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मेक इन इंडिया पहल के पश्चात् प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि हुई है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क) और (ख): प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से संबंधित नीति और सूचना औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग (डीआईपीपी), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा रखी जाती है। डीआईपीपी ने सूचित किया है कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर उसके द्वारा 'भारी उद्योग' सेक्टर में अलग से कोई आंकड़ा नहीं रखा जाता है। तथापि, 'मेक इन इंडिया पहल' को शुरू किए जाने के बाद से 'उद्योग' सेक्टर शीर्ष में प्राप्त एफडीआई इक्विटी अन्तर्वाह ने सितम्बर, 2014 में 35.42% की वृद्धि दर्शाई है जिसकी तुलना में पिछली तदनुरूपी अवधि के आंकड़ें निम्नवत हैं:

अवधि	एफडीआई इक्विटी अन्तर्वाह (राशि बिलियन अमरीकी डॉलर में)
अक्टूबर, 2013 से मई, 2014	7.68
अक्टूबर, 2014 से मई, 2015	10.40
वृद्धि	35.42%

*****